Lect.-10
Micro Economics

मांग एवं पूर्ति : मौलिक विचारधारा के
(Demand and supply : Basic framework)
अन्तर्गत
मांग का सिद्धांत
(Theory of Demand)

for (Hons) Economics

Dr. Dindayal Paswan
Assistant professor
Deptt. of Economics
M.L.S College Sarisab-pahi
(Madhubani)
Mobile No.- 9973392631

मांग की परिभाषाएं :- (Definitions of Demand)

:→ साधारण बोलचाल की भाषा में हम किसी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा को मांग कह सकते हैं, लेकिन अर्थशास्त्र में किसी वस्तु के केवल प्राप्त करने की इच्छा को ही मांग नहीं कहा जा सकता है। इच्छा तभी मांग का रूप धारण कर सकती है जब उसकी पूर्ति के लिए पर्याप्त साधन हो। उदाहरण के लिए, एक गरीब आदमी एक मोटरकार खरीदने की इच्छा कर सकता है, लेकिन उसके पास साधन नहीं रहने से उसकी इच्छा की पूर्ति नहीं कर सकती है। अतः यह इच्छा मांग नहीं कहला सकती।

① प्रो० मार्शल के अनुसार, "इन्होंने कहा है कि इच्छा के पीछे जब खरीदने का प्रयत्न शामिल होगा, तभी वह वास्तविक मांग कहला सकती है।" अर्थात उसके पास धन या साधन के खर्च करने की तत्परता (willingness) भी होनी चाहिए, क्योंकि एक कंजूस व्यक्ति, जो बैंक में ... है, उसके पास स्कूटर खरीदने के लिए पर्याप्त धन-साधन तो है, लेकिन चूंकि वह स्कूटर के लिए मुद्रा खर्च करने के लिए तैयार नहीं है, अतः उनकी इच्छा को हम मांग नहीं कह सकते। इस प्रकार, प्रभावपूर्ण इच्छा को मांग कहा जाता है, जैसा कि ② Penson (पेन्सन) ने कहा, "मांग प्रभावपूर्ण इच्छा है।" (Demand is effective desire)। मांग का संबंध सदैव किसी वस्तु के मूल्य से होता है (Demand always means at a price)

③ प्रो० मिल के शब्दों में, "मांग का अभिप्राय किसी वस्तु की उस मात्रा से है जो एक निश्चित मूल्य पर खरीदी जाती है। इसके अर्थ में मांग सदा मूल्य से संबंधित होती है।"

④ [illegible] के अनुसार, "किसी वस्तु की मांग उसकी कीमत और मात्रा का संबंध होती है जो कीमत-विशेष पर खरीदी जायेगी।"

⑤ बेन्हम के शब्दों में, "किसी दिये हुए मूल्य पर वस्तु की मांग उस परिमाण को कहते हैं जो उस मूल्य पर एक निश्चित समय में खरीदी जाती है।"

→ P.T.O.

Scanned with CamScanner

" माँग की परिभाषा के आधार पर विश्लेषण "

(6) मेयर्स के अनुसार, " किसी वस्तु की माँग उन मात्राओं की सारणी होती है जिन्हें क्रेता समय विशेष पर सभी संभव मूल्यों पर खरीदने को तैयार रहता है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर हम कह सकते हैं कि माँग के अन्तर्गत पाँच तत्व लिया जा सकता है—

(i) किसी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा।
(ii) उसे खरीदने के लिए साधन
(iii) व्यय करने की तत्परता
(iv) वस्तु का कीमत विशेष से संबंधित होना
(v) माँग का संबंध किसी विशेष समय से होना।

अतः उपर्युक्त परिभाषा सरल एवं स्पष्ट शब्दों में कहा जा सकता है कि माँग का अर्थ एक वस्तु या सेवा की वह मात्रा है जिसे उपभोक्ता (consumer) एक बाजार में एक दिये हुए समय में एक दी हुई कीमत पर खरीदना चाहते हैं।

माँग फलन एवं माँग को प्रभावित करनेवाले तत्व
(Demand function and factors affecting demand)

प्रो० वाटसन के अनुसार, "किसी बाजार में एक निश्चित समय पर किसी वस्तु की विभिन्न मात्राओं तथा का 'माँग फलन' उस वस्तु की खरीदी जा सकने वाली विभिन्न मात्राओं तथा उन मात्राओं को निर्धारित करनेवाले तत्वों के बीच के संबंध को व्यक्त करता है।" माँग के प्रमुख घटक निम्नलिखित हैं—

(1) वस्तु की अपनी कीमत (price of the commodity (Px))।
(2) संबंधित वस्तुओं की कीमतें (prices of Related Goods (Pr))।
(3) उपभोक्ता की आय (Income of the consumer (Y))।
(4) उपभोक्ता की रुचियाँ एवं प्राथमिकताएँ (Tastes and preferen-ces of the consumer (T))। एवं
(5) कीमत परिवर्तन की संभावनाएँ (expectations of price change of the commodity (E))।

इन उपर्युक्त तत्वों के अतिरिक्त बाजार माँग पर दो अन्य तत्वों का प्रभाव पड़ता है:—

(6) जनसंख्या का आकार एवं रचना (size and composition of population (P))।
(7) आय का वितरण (Distribution of Income (Yd))। अर्थात

$$Dx = (Px, Pr, Y, T, E, P, Yd)$$

माँग के नियम :— (Law of Demand)

Scanned with CamScanner